CAREER & EDUCATION

अमर उजाला उड़ान

वर्ष 08 | अंक 20 | बुधवार | 6 मई 2020 | ₹1

वर्क फ्रॉम होम की दुनिया

एग्जाम मंत्रा

क्रोमोथेरिपी रंगों से चिकित्सा की एक ऐसी विधि है जिसमें करियर के नये आयाम खुले हैं...

PAGE 06



PAGE 10



रास्ते और भी

निटिंग इंडस्ट्री अपने आपमें एक अलग क्षेत्र है, जिसमें कई रोजगार अवसर मौजूद हैं...



अपने लक्ष्य को पहचानें

एक सुविचारित लक्ष्य एक निश्चित समय-सीमा के साथ देखा गया एक सपना होता है।

-नेपोलियन हिल

अक्सर नौजवानों को यह सवाल करते पाया जाता है कि मैं अपना लक्ष्य कैसे हासिल कर सकता हूं ? लेकिन जब उनसे लक्ष्य के बारे में पूछा जाता है, तो उनमें एक असमंजस जैसी स्थिति देखी जाती है। ज्यादातर युवा अपने भविष्य को लेकर असमंजस में रहते हैं। लक्ष्य को पाने के रास्ते को जानना जितना महत्वपूर्ण है, उससे कहीं ज्यादा जरूरी है सटीक लक्ष्य की पहचान करना। याद रखिए, लक्ष्यविहीन दौड़ के धावक को सिवाय थकान और निराशा के कुछ हाथ नहीं लगता। इसे एक उदाहरण से आसानी से समझा जा सकता है। एक बार एक नौजवान सुबह- सुबह सड़क पर दौड़ लगा रहा था, अचानक रास्ते में एक चौराहा आ गया। यहां उसके पांव अपने आप ही रुक गए। उसने इधर-उधर देखा और सामने से आ रहे एक बुजुर्ग व्यक्ति से पूछा, महोदय, यह रास्ता कहां जाता है ? सामने वाले व्यक्ति ने नौजवान से पूछा, 'आपको जाना कहां है?' नौजवान के मुंह से निकला, 'पता नहीं'। इस पर बुजुर्ग व्यक्ति ने जवाब दिया, 'फिर क्या फर्क पड़ता है। कोई भी रास्ता चुन लो।' अब नौजवान निःशब्द था। उसे समझ में आ गया था कि अगर उसे गंतव्य का पता होता तो शायद रास्ते के बारे में संतोषजनक उत्तर मिलता। हाल ही हार्वर्ड यूनिवर्सिटी ने इस संबंध में एक सर्वेक्षण किया। इसके अनुसार जो छात्र अपना लक्ष्य बना कर चलते हैं, उन्हें अन्य छात्रों की तुलना में मंजिल जल्दी मिलती है। कॉम्पिटिटिव एग्जाम की तैयारी हो, या जीवन की चुनौतियों से जूझने की बारी, सभी जगह लक्ष्य निर्धारण कई मायनों में महत्वपूर्ण हो जाता है। दरअसल, लक्ष्य आपको एकाग्रता प्रदान करता है, जिससे आपका दिमाग किसी और दिशा में नहीं भटकता। जैसा कि हम सभी को मालूम है कि कांच का टुकड़ा किस प्रकार सूर्य की किरणों को एक बिंदु पर लक्षित कर कागज के टुकड़े को जला देता है। यह एकाग्रता की शक्ति है। लक्ष्य आपकी प्रगति का मापक भी है। लक्ष्य निर्धारण के बाद हम सोपान दर सोपान उसकी ओर अग्रसर होते जाते हैं। ऐसा इसलिए संभव हो पाता है कि आप समय और अनुशासन से बंध जाते हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि लक्ष्य आपको निरंतर प्रेरित रखता है। लक्ष्य का स्मरण ही हमें आगामी संघर्ष के लिए ताकत प्रदान करता है।



अ अमर उजाला
समूह का प्रकाशन
नवोन्मेषक स्व. अतुल माहेश्वरी

अमर उजाला लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक वीरेंद्र सिंह पठानिया द्वारा अमर उजाला लिमिटेड, सी-21, सेक्टर 59, नोएडा-201301 (गौतमबुद्ध नगर) से प्रकाशित एवं इम्प्रेशन्स प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18, 19, 20, सेक्टर-59, नोएडा-201301 (गौतमबुद्ध नगर) से मुद्रित।

संपादक. देव प्रकाश चौधरी
फोन. 120-4694000, 2583354 फैक्स. 0120-2587325

RNI No. UPHIN/2012/48168
ई-मेल. asktoudaan@amarujala.com

आपातकालीन चिकित्सा तकनीशियन ज्यादातर एम्बुलेंस में ही पाए जाते हैं क्योंकि आपातकालीन स्थितियों में एम्बुलेंस ही सबसे पहले पहुंचती है...

आपातकाल चिकित्सा

तकनीशियन बन करें सेवा



आपातकालीन चिकित्सा तकनीशियन जिसे हम अंग्रेजी में इमरजेंसी मेडिकल तकनीशियन कहते हैं, एक चिकित्सा निदेशक चिकित्सक की देखरेख में सेटिंग्स की एक किस्म में काम करते हैं। इमरजेंसी मेडिकल तकनीशियन हॉस्पिटल या हॉस्पिटल के बाहर आपातकालीन चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराने के लिए प्रशिक्षित प्रदाता होते हैं। इमरजेंसी चिकित्सकों को आपात स्थितियों में जैसे कोई दुर्घटना का क्षेत्र, या आपदा क्षेत्र में जल्द से जल्द प्रतिक्रिया लेने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। ये तकनीशियन ज्यादातर एम्बुलेंस में ही पाए जाते हैं क्योंकि आपातकालीन स्तिथियों में एम्बुलेंस ही सबसे पहले पहुंचती है और ये तकनीशियन इसी स्तिथि के लिए प्रशिक्षित किये जाते हैं। एम्बुलेंस, सरकारी और अस्पतालों में सेवाओं के अलावा ये दमकल विभागों और पुलिस विभाग में भी काम करते हैं। तकनीशियन अभ्यास के एक सीमित दायरे के तहत कार्य करते हैं। ये चिकित्सा निदेशक की निगरानी में काम करते हैं।

नेचर ऑफ वर्क

इमरजेंसी मेडिकल तकनीशियन का काम भावनात्मक रूप के साथ-साथ शारीरिक रूप से भी मांग में है। इन्हें सप्ताहांत, इमरजेंसी केयर असिस्टेंट्स, पैरामैडिक, पुलिस और अग्निशमन के साथ संयोजन के रूप में काम करना पड़ता है। इन तकनीशियन को आम तौर पर अस्पताल परिवहन सेवाओं, एम्बुलेंस सेवाओं, बचाव और आग विभागों, और स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं के लिए कार्यरत किया जाता है। कई बार आपात स्थिति के दौरान तकनीशियन के कंधो पर जिम्मेदारियों का बोझ बढ़ जाता है और काम काफी तनावपूर्ण भी हो जाता है। इस पेशे में काम करने की वजह से ये चोटों और संक्रामक रोगों के संपर्क में भी आ जाते है लेकिन यह करियर लोगों की जान बचाने के बाद एक मानसिक संतुष्टि भी देता है।

कर्तव्य और उत्तरदायित्व

आपदा क्षेत्र में पहुंचकर पीड़ितो को हॉस्पिटल पहुंचाने से पहले उनका प्राथमिक उपचार करते हैं, पीड़ित की हालात का मूल्यांकन करके उनके उपचार का निर्धारण करते हैं, पीड़ित की हालत को स्थिर करने के लिए उनके घाव में पट्टी बांधते हैं, बहते हुए खून को नियंत्रित करते हैं, इस्तेमाल हो रहे चिकित्सा उपकरणों का ध्यान रखना और ख़राब होने पर उन्हें समय पर बदलना, हॉस्पिटल के इमरजेंसी डिपार्टमेंट में पीड़ित को जल्द से जल्द पहुंचाना, पीड़ित की ट्रीटमेंट और उसको दी जाने वाली दवाइयों की रिपोर्ट तैयार करना, किसी संक्रमित पीड़ित को लाने के बाद एम्बुलेंस की सफाई करना और उसे जीवाणु रहित बनाना, एम्बुलेंस में इस्तेमाल हुए कम्बल और कपड़ो को हटाकर साफ कपड़े लगाना, पीड़ित के परिवार वालो को सहानुभूति देते हुए उन्हें शांत रखना, मेडिकल एजेंसीज द्वारा आयोजित ट्रेनिंग प्रोग्राम्स में हिस्सा लेना और चिकित्सा से सम्बंधित नयी चीजो को सीखना एक इमरजेंसी मेडिकल तकनीशियन का काम होता है।

कोर्स एवं योग्यता

इस कोर्स में डिप्लोमा के लिए अभ्यर्थी का किसी भी संकाय वा किसी भी मान्यताप्राप्त बोर्ड से 12वीं पास होना जरूरी है। कोर्स के दौरान उन्हें आपातकालीन स्थिति या किसी भी तरह की आपदा की स्थिति में किस तरह समुचित मेडिकल सुविधाओं का प्रबंध करना है,

शेष पेज 5 पर

प्रमुख संस्थान

- दिल्ली पैरामेडिकल एंड मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली
  www.dpmiindia.com
- महर्शि मर्कंडेष्वर यूनिवर्सिटी, अम्बाला, हरियाणा
  www.mmumullana.org
- इंडियन मेडिकल इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग, जालंधर, पंजाब
  www.iminursing.in
- इंस्टीट्यूट ऑफ एलाइड हेल्थ साइंसेज, कोलकाता
  www.iahs.co.in

वर्क फ्रॉम होम की

वर्क फ्रॉम होम में इस बात को ध्यान में रखना चाहिए कि आप पूरे स्टॉफ से आप कैसे जुड़े रहे, आप किस वक्त किस प्रोजेक्ट पर काम कर रहे है, चर्चा करते रहें क्योंकि इसके अभाव में पूरी वर्क चैन सिस्टम टूट सकता है। काम का बंटवारा न होने से बहस हो सकती है। ऐसे में अन्य काम प्रभावित हो सकते हैं। इससे बचने के लिए अपने साथियों व क्लाइंट्स के साथ ईमेल व मोबाइल से लगातार संपर्क सफल कार्य के लिए जरूरी हो जाता है...



कोरोना वायरस के कहर ने पूरी दुनिया को जब घर के अंदर बैठने को मजबूर कर दिया तब घर तथा बाहर के तकरीबन तमाम काम कैसे किए जाएं इस पर प्रश्नचिन्ह लग गया लेकिन कहा जाता है कि जब पुराने सारे रास्ते बंद होते हैं, तो कई नए रास्ते भी खुलते हैं। इन दिनों सारे ऑफिसों के काम घर से ही होने लगे हैं जिन्हें हम *वर्क फ्रॉम होम* कहते हैं। कहने में बड़ा ही सरल शब्द लगता है, परंतु घर से सारे ऑफिस के काम निपटाना वह भी बगैर किसी तनाव के तो वह थोड़ा कठिन तो है। ऐसे में उसके लिए भी एक रणनीति तैयार करनी पड़ेंगी। पूर्ण लॉक डाउन खुल भी जाए ओर जीवन सहज भी होने लगे तो वर्क फ्रॉमहोम का कल्चर अब समाज में ज्यादा जगह बना सकता हैं। इसके कारण सफ़ल हो सकने वाले प्रयोग इस प्रकार हो सकते हैं।

ऑफिस जैसा घर में ऑफिस

यह ऑफिस बिल्कुल नया प्रयोग है। जो वर्क फ्रॉम होम की परिकल्पना को ओर सुगठित करता है। इसे सहित्य की भाषा में सृजन कोना भी कहते हैं। घर का यह ऑफिस ठीक वैसा ही होना चाहिए जैसा आपके मूल ऑफिस का स्वरूप होता हैं। इसमें कुछ आवश्यक संशोधन किया जा सकता है क्योंकि आपकी टेबल पर कंप्यूटर, लैपटॉप मोबाइल तथा अन्य ऑफिस की सामग्री तो होनी ही चाहिए। हां, लेकिन आप अपने आसपास सम्भव हो तो एक दो आकर्षक तस्वीर तथा गमलों का प्रयोग कर सकते हैं।। आपको हल्के से म्यूजिक मे काम करने की आदत हो तो यह प्रयोग आपमें नई एनर्जी भर सकता है।कुल मिलाकर ऐसा माहौल बनाना है जो आपको काम करने की सकारात्मक प्रेरणा देता रहे।

आपका ऑफिस टाइम तथा तैयारी

सुबह उसी हिसाब से तैयार होना है जैसे आप ऑफिस जाते थे।अपने नित्य कर्म तथा नाश्ता करके अपनी सुबह को वैसा ही अंदाज दे क्योकि नाईट ड्रेस, बिना स्नान किए या बगैर ऑफिस की फिलिंग लिए आप काम में लगेंगे

दुनिया



तो बात नही बनेंगी। सारा दिन मन में एक कसक रहेगी कि तैयार होकर बैठता तो ज्यादा उत्साह से काम कर पाता।ग्रुमिंग एक्सपर्ट के मुताबिक रोजमर्रा के काम काज तथा ऑफिस के कपड़ों का चुनाव भी हमारे दिनभर के काम को प्रभावित करते हैं।यूनिवर्सिटी ऑफ हर्टफोर्डशायर के प्रोफेसर कैरे पाइन ने अपनी किताब माइंड व्हाइट यू वियर साइकोलॉजी ऑफ़ फेशन में कहा है कि आपका ड्रेस सेंस आपकी सेहत मूड तथा आत्मविश्वास पर गहरा प्रभाव डालते हैं।एक पुरानी कहावत भी है कि एक नूर आदमी, सो नूर कपडा तथा हज़ार नूर नखरा।मतलब साफ है कि कोई व्यक्ति कद काठी से खूबसूरत तो लग सकता है मगर उसने अपने पर फबने वाले कपड़े पहन रखें हो तो वह अपने जलवे की गुलाल उड़ाता चलता है। इस कहावत को घर में भी लागू करें।

काम के स्वरूप को बांटना

अपने रोज के टाइम के अनुकूल ही अपनी टेबल पर आ जाएं।इसमे जरा सा भी आलस्य आपमे अनुशासन हीनता की शुरूवात करेगा।सही समय पर काम शुरू करके व्यस्त हो जाए।कंप्यूटर या कागज़ इस संबंध में एक छोटी सी लिस्ट मौजूद होनी चाहिए कि कोनसा काम पूरा कर लिया है क्या बचा है।कई बार कुछ पुराने काम पूरे कर लेने से आपकी छवि ऑफिस में निखरती है क्योंकि वर्क फ्रॉम होम का मतलब सिर्फ आदेश का पालन करना नही होता।

लंच के लिए समय का ध्यान

वर्क फ्रॉम होम करते हुए एक बड़ा चैलेंज यह भी है कि स्वस्थ कैसे रहा जाए। ऐसी क्या हेल्दी डाइट ली जाए कि हमें वर्क फ्रॉम होम के दौरान हाइड्रेटेड रखने में मदद करे। बेहद जरूरी है कि रोज 8 से 10 ग्लास पानी पीयें।भले आप घर से काम कर रहे हो लेकिन ब्रेक फास्ट, लंच मे से कोई भी मील ना छोड़े। ब्रेक फ़ास्ट पूरे दिन का सबसे महत्वपूर्ण मील होता हैं। इसमें ओट्स, फ्रूट प्रोटीन तथा फाईबर पयाप्त मात्रा में शामिल करें। इस बात का विशेष ध्यान रखें कि कितनी कैफीन ले रहे हैं क्योंकि बार बार चाय कॉफ़ी पीने से पाचन संबंधी दिक्कतें हो सकती है। जंकफूड से बचें। इसकी बजाय कोई ताजा फल या जूस ले सकते हैं।

ऑफिस से सतत संपर्क बेहद जरूरी

वर्क फ्रॉम होम में इस बात को बेहद ध्यान में रखना चाहिए कि आपके पूरे स्टॉफ से आप कैसे जुड़े रहे, आप किस वक्त किस प्रोजेक्ट पर काम कर रहे है चर्चा करते रहें क्योंकि इसके अभाव में पूरी वर्क चैन सिस्टम टूट सकता है। काम का बंटवारा न होने से बहस हो सकती हैं ऐसे में अन्य काम प्रभावित हो सकते है। इससे बचने के लिए अपने साथियों तथा क्लाइंट्स के साथ ईमेल, व्हाट्सएप कॉल्स तथा अन्य माध्यमों से लगातार संपर्क बनाएं रखना एक सफल ऑफिस के लिए जरूरी है।

खुश रहने के लिए अन्य नुस्खे

इस दौरान हम कहीं बाहर नहीं जा सकते हैं तो खुद के मनोरंजन के लिए हम बीच बीच में संगीत का सहारा ले सकते हैं।कहा भी गया है कि संगीत सुनने से हमारे दिमाग की संरचना ही बदल जाती हैं। याददाश्त को मजबूत रखने के लिए तथा कई मानसिक बीमारियों के लिए संगीत थेरैपी कारगर सिद्ध हुई है। कई ऑफिसों में एकदम धीमा सा संगीत चलता ही रहता है। वजह यह है कि इससे काम के दौरान प्रफ्फुलता बनी रहती हैं। सारे दिन काम करने से मानसिक तनाव भी होता हैं। इसलिये अपनी टेबल पर कुछ सुगंध का प्रयोग भी कर सकते हैं। वैज्ञानिक तौर पर यह साबित हो चुका है कि दिमाग को आराम देने के लिए खुशबू का अहम रोल होता है। ऐसा भी कहा जाता है कि खुशबू आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करके आपके सारे सेंसेस को सक्रिय कर देता है तथा आपमें नई ऊर्जा भर देती हैं।

ऑफिस की गोपनीयता सबसे जरूरी

सबसे जरूरी बात, हर ऑफिस की कई गोपनीय बातें, गोपनीय क्लाइन्ट होते हैं। जो ऑफिस के प्रमुख नीति नियम के तहत आते हैं। यदि आप घर में रहकर काम कर रहे हैं तो घर मे कई लोगों का आना जाना चलता रहता है। ध्यान रखे कि इस तरह की कोई भी बात सार्वजनिक ना हो।

– रेणु जैन

पेज 3 का शेष

उनकी तीमारदारी और सेवा कैसे की जाती है उसकी सीख दी जाती है। वे आपदा या महामारी फैलने की स्थिति में कैसे और किस हद तक तत्पर रहें। उन्हें महामारी या आपदा पर नियंत्रण करने, जख्मी होने, या उनका उपचार कैसे किया जाए व उससे कैसे निपटा जाए उसकी ट्रेनिंग दी जाती है। इस फील्ड में आप एसएससी के द्वारा भी परीक्षा देकर किसी भी सरकारी पद के लिए आवेदन कर सकते है।

अवसर

इस कोर्स के बाद अभ्यर्थी के लिए सरकारी और गैरसरकारी विभागों में कई अवसर खुल जाते हैं। आपदा स्तिथि में सबसे ज्यादा जरुरत मेडिकल सहयोगियों की होती है जिसमे यही तकनीशियन मेडिकल सुविधाएं प्रदान कराने में काम आते हैं। इस कोर्स के बाद सरकारी एम्बुलेंस सेवाओं में, सरकारी अस्पतालो के आपातकालीन विभागों में, गैर सरकारी संस्थाओं में अभ्यर्थी रोजगार प्राप्त कर सकता है।

वेतन

इस क्षेत्र में न्यूनतम सैलरी 10 से 15 हजार होती है और तजुर्बे के साथ साथ सैलरी में भी इजाफा होता चला जाता है। सरकारी या गैर सरकारी अस्पतालों में यह तकनीशियन अपने अनुभव के बाद अधिकारी पद के लिए भी आवेदन कर सकते है जिसमे न्यूनतम सैलरी 40 से 50 हज़ार तक होती है।

क्रोमोथेरिपी रंगों से चिकित्सा की एक ऐसी विधि है, जो तेजी से प्रचलित हो रही है। इसे कलर थेरेपी, हेलियोथेरिपी अथवा क्रोमोपेथी नाम से भी जाना जाता है...

क्रोमोथेरिपी, चिकित्सा करियर का उभरता नया आयाम

क्रोमोथेरिपी यानी रंगों से उपचार की एक विधि। खास बात यह है कि छह महीने से एक वर्ष की ट्रेनिंग के बाद आप चाहें तो बतौर क्रोमोथेरेपिस्ट खुद का काम शुरू कर सकते हैं।

रंगों का हमारे जीवन में महत्वपूर्ण स्थान है। ये न केवल मन को स्वस्थ रखने में सहायक हैं, बल्कि तन के रोगों को दूर करने में भी काफी उपयोगी हैं। क्रोमोथेरिपी रंगों से चिकित्सा की ही एक ऐसी ही विधि है, जो तेजी से प्रचलित हो रही है। इसे कलर थेरेपी, हेलियोथेरिपी अथवा क्रोमोपेथी नाम से भी जाना जाता है।

इस विधा की शुरुआत हजारों वर्ष पूर्व मिस्र से हुई थी। कलरथेरेपी के मुताबिक हमारी प्रत्येक शारीरिक गतिविधि रंग और प्रकाश से प्रभावित होती है। हम जब सुबह उठते हैं, तो ताजगी अनुभव करते हैं दरअसल इसका कारण विभिन्न रंगों का हमारे शरीर पर पड़ने वाला प्रभाव है। इंद्रधनुष के सात रंगों की अलग-अलग हीलिंग प्रॉपर्टीज होती है, उदाहरण के लिए लाल रंग का सीधा संपर्क हमारी ऊर्जा और रचनात्मकता से होता है, वहीं नारंगी रंग हमारी शारीरिक गतिविधियों और भावनात्मकओं से जुड़ा होता है। कई लोगों का मानना है कि वे क्रोमोथेरेपी स्पेशलिस्ट की मदद से विभिन्न बीमारियों से जुड़े लक्षणों जैसे अवसाद आदि से छुटकारा प्राप्त कर सकते हैं। कुछ वैज्ञानिक प्रमाणों के मुताबिक हमारे शरीर में प्रत्येक कोशिका प्रकाश का उत्सर्जन करती है। हमारे चारो तरफ दिखने वाले विभिन्न तरह के रंग और कुछ नहीं, बल्कि प्रकाश की ही अलग-अलग आवृत्तियों का परिणाम हैं।



कलर थेरेपिस्ट के कार्य

कलर थेरेपिस्ट, शरीर में ऊर्जा को संतुलित करके विभिन्न रंगों का उपचार करते हैं। सबसे पहले देखा जाता है कि संबंधित रोगी की शारीरिक, मानसिक, अध्यात्मिक और भावनात्मक स्थिति क्या है? पीनियल ग्लैंड हमारे मस्तिष्क की गतिविधियों को नियंत्रित करता है, जो और ऊर्जा से नियंत्रित होता है। कलर थेरेपिस्ट शरीर के सात चक्रों के आधार पर सात रंगों (हरा, लाल, पीला, नारंगी, नीला, बैंगनी, और इंडिगो) से इलाज करते हैं। प्रत्येक रंग अलग-अलग चक्र और शरीर के अंगको प्रभावित करते हैं। इसमें दुर्घटना और आनुवांशिक उपचार को छोड़कर बाकी सभी तरह के इलाज किए जाते हैं।

पाठ्यक्रम

इसके अंतर्गत कलर थेरेपी का इतिहास, भौतिक शरीर और सूक्ष्म शरीर, शरीर में स्थि विभिन्न चक्रों, प्रकाश विज्ञान, रंग के थेराप्यूटिक उपयोग कलर थेरेपी अभ्यास और भोजन, कपड़े तथा घर की सजावट में रंगों के महत्व, मानव शरीर में ऊर्जा क्षेत्रों आदि के बारे में विस्तार से पढ़ाया जाता है। इसमें ऑनलाइन और पत्राचार पढाई भी कराई जाती है।

योग्यता

इस कोर्स को करने के लिए किसी विशिष्ट योग्यता की जरूरत नहीं होती। यदि आप 12वीं पास अथवा एकेडमिक हैं, तो बेहतर है। कला थेरेपी में डिप्लोमा सर्टिफिकेट और बैचलर दोनों ही डिग्रियां दी जाती हैं। जो क्रमशः डीजीटीसीटी (डिप्लोमा इन जेमटेक क्रोमोथेरेपी) और बीजीटीसीटी (बैचलर इन जेमेटली क्रोमो थेरेपी) हैं। वैसे क्रोमोथेरेपी ऐंड योगिक साइंस के तहत भी तीन माह से लेकर छह माह तक में कराई जाती है। जिसके बाद आप किसी भी संस्थान से जुड़कर या खुद का काम शुरू कर सकत हैं।

प्रवेश प्रक्रिया व शुल्क

सामान्यतः कोर्स में प्रवेश के लिए किसी तरह की प्रवेश प्रक्रिया से नहीं गुजरना होता । सामान्य जानकारी आधारित साक्षात्कार के आधार पर प्रवेश मिल जाता है। इसके लिए कोई खास शुल्क नहीं लिया जाता। पूरी ट्रेनिंग तीन महीने से लेकर दो वर्षों तक होती है। भारत में तकरीबन 2000 रुपये और विदेशों में पढ़ाई के लिए 25 पौंड से लेकर 285 पौंड का खर्च आता है।

बुक पब्लिशिंग के तहत लेखक से नई रचना प्राप्त करना, रचना का मूल्यांकन करना, लेखक के साथ रचना के लिए करार करना, रचना का संपादन, डिजाइनिंग व प्रोडक्शन, बुक की बिक्री इत्यादि में असीम संभावनाएं मौजूद हैं...



बुक पब्लिशिंग: ज्ञान की दुनिया

भारत में बुक पब्लिशिंग इंडस्ट्री तो सालों से काम कर रही है ,पर उसे गति फ्री-मार्केट इकोनॉमी में ही मिल पाई है। आज इस इंडस्ट्री द्वारा युवाओं की रचानात्मक और रोजगार दोंनो तरह की जरूरतों को पूरा किया जा रहा है। भारतीय बुक पब्लिशिंग इंडस्ट्री आज देश के साथ अंतरराष्ट्रीय मार्केट की डिमांड को भी पूरा कर रही है। आधुनिक तकनीक के कारण जहां प्रिंटिंग तकनीक के क्षेत्र में काफी बदलाव आया है, वहीं, डिजाइनिमग और बाइडिंग के स्तर में काफी विभिन्नता आ गई है। पाठकों तक पुस्तकों की पहुंच को आसान बनाने के लिए विभिन्न शॉपिग मॉल्स में स्पेशल बुक चेन्स खुल रही है। जिनके ग्राहक साहित्य में रूचि रखने वालों के अलावा मैनेजमेंट व इंजीनियरिंग के क्षेत्र मे मोटी कंमाई कर रहे युवा भी हैं।

कार्य की प्रकृति

लेखक द्वारा पुस्तक लिखे जाने से लेकर किताब के पाठकों तक पहुंचने की प्रक्रिया में बुक पब्लिशर के अलावा बुक डिजाइनर ,बुक विक्रेता ,बुक एडिटर और बुक डिस्ट्रिब्यूशन से लेकर प्रमोशन में कई लोग जुड़े होते हैं। एक सफल बुक पब्लिशर बनने के लिए एक व्यक्ति में साहित्य व लेखन में रूचि के साथ-साथ मार्केट ट्रेड को समझाने की योग्यता लेखकों के बीच अच्छी पैठ और बिजनेस स्किल होना जरूरी होती है। संक्षेप में बुक पब्लिशिंग में लेखक से नई रचना प्राप्त करना ,रचना का मूल्यांकन करना ,लेखक के साथ रचना के लिए करार करना ,रचना का संपादन करना ,डिजाइनिंग व प्रोडक्शन ,बुक की बिक्री व सर्वधन के लिए बुक डिस्ट्रिव्यूटर व बुक विक्रेतओं से संपर्क करना ,कपनी के खाते बनना और अंत में कंपनी की साख को बढ़ाने का काम आता है।

पाठ्यक्रम

विभिन्न संस्थान बुक पब्लिशिंग इंडस्ट्री के लिए युवाओ को प्रशिक्षित करने के लिए कोर्स संचालित करते हैं। भारत में बुक पब्लिशिंग में विभिन्न पीजी डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स उपलब्ध है। कुछ संस्थान एक महीने का शॉर्ट टर्म कोर्स भी संचालित करते है।

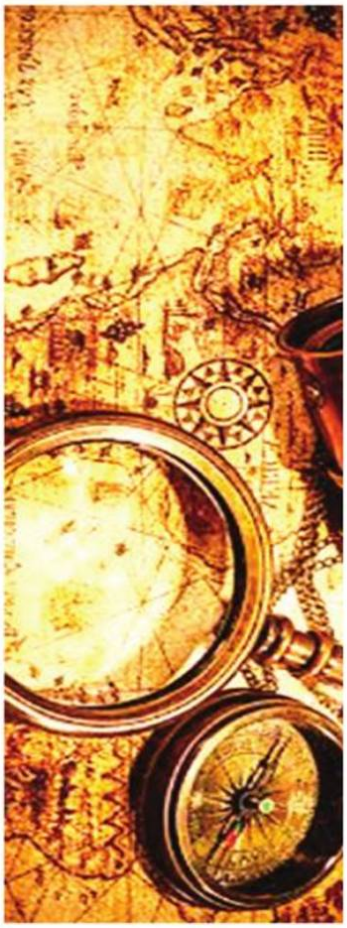
रोजगार एवं संभावनाएं

एक अनुमान के मुताबिक आज हमारे देश में छोटे-बड़े, नए-पुराने कुल मिलाकर लगभग 50 हजार से अधिक प्रिंटिंग प्रेस कार्यरत हैं। जिनमें करीब 10 लाख लोगों को रोजगार मिला हुआ है। इन प्रिंटिंग प्रेसों से विभिन्न भाषाओं की लाखों पुस्तकें एवं पत्र-पत्रिकाएँ मुद्रित होती हैं। परंतु हिन्दी भाषा में मुद्रित पुस्तकों एवं पत्र-पत्रिकाओं की संख्या सबसे अधिक है। इस प्रकार प्रकाशन एवं प्रिंटिंग व्यवसाय के क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि प्रकाशन एवं प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी की शिक्षा हासिल करने वाले युवाओं के लिए रोजगार की तमाम संभावनाएं हैं। सूचना प्रौद्योगिकी, माइक्रोप्रोसेसर युक्त कम्प्यूटर तथा लेसर जैसी उच्च तकनीक के आने के बाद से पब्लिशिंग पूरी तरह हाईटैक हो गई है जिससे कुशल युवाओं की मांग और ज्यादा बढ़ गई है।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल बुक ट्रस्ट ,बसंत कुंज ,दिल्ली
- पुणे यूनिवर्सिटी (बुक पब्लिशिंग में छह महीने का सर्टिफिकेट कोर्स)
- इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी (बुक पब्लिशिंग में पीजी डिप्लोमा)
- इंस्टीट्यूट ऑफ बुक पब्लिशिंग ,नई दिल्ली (बुक पब्लिशिंग में 10 दिन का कोर्स)





अपने सामान्य ज्ञान को बेहतर करने के लिए जरूरी है कि पिछली परीक्षाओं में पूछे गए प्रश्नों का पैटर्न समझा जाए...

1. हाल ही में पुनर्गठित की गई प्रधानमंत्री के लिए आर्थिक सलाहकार परिषद (PMEA(C) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. प्रधानमंत्री के लिए आर्थिक सलाहकार परिषद (PMEA(C) एक संवैधानिक और स्थायी निकाय है जो कि भारत सरकार को आर्थिक सलाह प्रदान करने के लिए गठित की गई है।
2. यह प्रधानमंत्री को मुद्रास्फीति, माइक्रोफाइनेंस और औद्योगिक परिमाण जैसे आर्थिक मुद्दों पर सलाह प्रदान करती है।

उपरोक्त दिए गए कथनों में से कौन सा/से कथन असत्य है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) दोनों (d) न तो 1 न 2

जवाब: (a)

2. हाल ही में पीएम मोदी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के इतर कैरिकॉम समूह के दशों के 14 नेताओं से मुलाकात की कैरिकॉम देशों का समूह प्रतिनिधित्व/शामिल करता है

(a) लैटिन अमेरिकी देशों को
(b) कैरिबीयाई द्वीपों को
(c) भारतीय उपमाद्वीप के देशों को
(d) उत्तर पश्चिम अफ्रीकी देशों को

जवाब: (b)

3. हाल ही में लांच की गई टैक्नोलॉजी के लिए राष्ट्रीय शैक्षिक गठबंधन योजना के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. मानव संसाधन विकास मंत्रलय ने केंद्र सरकार की 100 प्रतिशत वित्तपोषकता के साथ एक नई केंद्रीय योजना एनईएटी आरंभ की है।
2. एनईएटी का उद्देश्य प्राथमिक एवं उच्च शिक्षा प्रणाली में बेहतर परिणाम के लिए क्रत्रिम बुद्धि का प्रयोग करना है।
3. नीति आयोग और एआईसीटीई एनईएटी प्रोग्राम के लिए कार्यान्वित एजेंसी हैं।

उपरोक्त दिए गए कथनों में कौन सा/से कथन असत्य है/हैं?

(a) केवल 2 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 3 (d) 1, 2 और 3

जवाब: (d)

4. संयुक्त रक्षा स्टॉफ के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ (आईडीएस) भारतीय सशस्त्र बलों की विभिन्न शाखाओं के बीच समन्वय को बढ़ावा देने के लिए एक उत्तरदायी संगठन है।
2. यह केवल थल सेना, नौसेना और वायु सेना के प्रतिनिधियों से मिलकर बना है।
3. आईडीएस की इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ के उप प्रमुखों के साथ साथ इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ के प्रमुख द्वारा अध्यक्षता की जाती है।

उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सत्य है/हैं?

(a) केवल 1, 2 और 3
(b) केवल 2 और 3
(c) 1, 2 और 3
(d) केवल 1 और 3

जवाब: (d)

5. इंटरनेट की विभिन्न परतों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. हम इंटरनेट में खुले में जो देखते हैं वह सिर्फ 50% है, जबकि 50% गहरी वेब में रहता है, जिसमें से 10% डार्कनेट में जारी है
2. सर्फेस वेब आम जनता के लिए आसानी से उपलब्ध है और स्टैंडर्ड वेब सर्च इंजन के साथ खोजी जा सकती है।
3. डार्क वेब नेटवर्क दूसरी परत है जहां डेटा को दुर्गम डेटाबेस में संग्रहीत किया जाता है और जिसे खोज इंजन द्वारा एक्सेस नहीं किया जा सकता है
4. डीप नेट इंटरनेट की तीसरी, गहरी परत है, जहां हैकर्स अवैध बैठकें करते हैं और उनकी सुविधा देते हैं।

उपरोक्त दिए गए कथनों में से कौन सा/से कथन असत्य हैं?

(a) केवल 1, 2 और 3
(b) केवल 2, 3 और 4
(c) 1, 3 और 4
(d) 1 और 3

जवाब: (c)

6. हरित पटाखे के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. हरित पटाखे 30% तक उत्सर्जन कम करते हैं।
2. इसमें ग्रीन लोगो के साथ साथ क्विक रेसपॉन्स (QR) कोडिंग सिस्टम अनिवार्य रूप से होता है।
3. ग्रीन क्रैकर्स के निर्माण के लिए लाइसेंस देने के लिए पेट्रोलियम और विस्फोटक सुरक्षा संगठन उत्तरदायी है।

उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 1 और 2
(c) केवल 2 और 3 (d) उपरोक्त सभी

जवाब: (d)

7. क्वांटम कम्युनिकेशन के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:
1. इसमें सूचना के बिट्स फोटोन में कूटबद्ध होते हैं बजाय रेडियो तरंगों के
2. रेडियो तरंगों के माध्यम से प्रसारण की तुलना में यह ज्यादा सुरक्षित है।
3. यूएसए ने पहला क्वांटम कम्युनिकेशन सैटेलाइट लांच किया है।
उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?
(a) केवल 2 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 2 (d) उपरोक्त सभी
जवाब: (c)

8. इलैक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) ने भारत इंटरफेस फार मनी (भीम) एप अर्थात भीम 2.0 को लांच किया है इसके संदर्भ के साथ BHIM UPI के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें
1. भीम एप का विकास नेशनल पेमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI) ने किया था, जिसे दिसंबर, 2016 में लांच किया गया।
2. UPI एक पेमेंट सिस्टम है जो कि एक स्मार्टफोन का प्रयोग करते हुए किन्हीं दो बैंक खातों के बीच धन का हस्तांतरण करने की अनुमति देता है।
3. UPI ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से अलग अलग मर्चेंट के एक बैंक खाते से सीधे उपभोक्ता को भुगतान करने की अनुमति देता है।
उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सत्य है/हैं?
(a) केवल 2 (b) केवल 2 और 3
(c) 1, 2 और 3 (d) 1 और 3
जवाब: (c)

9. नेमाटोड्स के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें
1. समशीतोष्ण क्षेत्रों में उप-आर्कटिक क्षेत्रों और उष्णकटिबंधीय क्षेत्र के बाद सबसे अधिक मात्रा में नेमाटोड हैं।
2. नेमाटोड बहुकोशिकीय जानवर हैं जिनमें राउंडवॉर्म, थ्रेडवर्म और ईलवर्म शामिल हैं।
3. वे जानवरों और पौधों में परजीवी के रूप में होते हैं, लेकिन वे मुक्त रूप में नहीं रह सकते
उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सत्य है/हैं?
(a) केवल 2 (b) केवल 1 और 3
(c) 1, 2 और 3 (d) 1 और 2
जवाब: (a)

10. ई स्मोकिंग/ ई सिगरेट के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें
1. इसे तरल रूप में निकोटीन के कैप्सूल के प्रयोग के तौर पर जाना जाता है।
2. इसमें एक निकोटिन कैप्सूल होता है, जिसमें कुछ मात्रा में तंबाकू भी होता है
उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सत्य है/हैं?
(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न 2
जवाब: (d)

11. प्रोजेक्ट नेत्र एक पहल है
(a) भारतीय वायु सेना (b) नीति आयोग
(c) इसरो (d) डीआरडीओ
जवाब: (c)

12. स्नो लेपर्ड के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें
1. भारत में, हिम तेंदुए हिमालय और ट्रांस-हिमालयी परिदृश्य में 3,000 मीटर और 5,400 मीटर के बीच ऊंचाई पर पाए जाते हैं
2. राष्ट्रीय स्तर की आकलन प्रक्रिया बाघों, गैंडों और हाथियों के लिए की जाती है जो अब हिम तेंदुओं के लिए भी किए जा सकते हैं।
3. यह IUCN रेड लिस्ट में लुप्तप्राय के रूप में सूचीबद्ध है
उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सत्य है/हैं?
(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 1 और 3
(c) 1, 2 और 3 (d) केवल 1
जवाब: (a)

13. आकांक्षी महिला उद्यमियों के लिए कचरा प्रबंधन त्वरक (डब्ल्यूएडब्ल्यूई) सम्मेलन 2019 के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें
1. यह कचरा प्रबंधन में उद्यमिता को बढ़ावा देने और सिंगल यूज प्लास्टिक कैरी बैग का विकल्प प्रदान करने के लिए युवा महिला उद्यमियों का सबसे बड़ा एकत्रीकरण होगा।
2. डब्ल्यूएडब्ल्यूई सम्मेलन 2019 का आयोजन अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) और कचरा प्रबंधन संस्थान (आईआईडब्ल्यूएम) द्वारा किया जाएगा।
उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सत्य है/हैं?
(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न 2
जवाब: (b)

14. परमाणु ऊर्जा विभाग ने कोबाल्ट थेरेपी मशीन भाभाट्रॉन का विकास किया है। इस मशीन का उपयोग किया जा सकता है-
(a) कैंसर उपचार
(b) बोन मैरो प्रत्यारोपण
(c) बाइपास सर्जरी
(d) न्यूरोलॉजिकल विकार का पता लगाना
जवाब: (a)

COMPUTER KNOWLEDGE

मुख्य डॉक्यूमेंट के मेल मर्ज के चार प्रकार हैं।
■ फार्म लेटर्स, अनवेलप व लेबल्स व निर्देशिका

आप एक्सेल में किस कुंजी (key) को दबाकर विद्यमान आंकड़ों में संशोधन कर सकते हैं।
■ F2

कौन सा खंड स्लाइड लेआउट में विद्यमान नहीं होता है?
■ एनीमेशन

पूर्व निर्धारित फॉन्ट कलर व ग्राफिक का चयन कर नवीन प्रस्तुतिकरण के सृजन में आपकी मदद कौन करता है?
■ डिजाइन टेम्पलेट

हार्ड डिस्क पर मेमोरी जिसे सीपीयू विस्तारित रैम की तरह प्रयोग करता है
■ वर्चुअल मेमोरी

प्रोग्राम जो हार्डवेयर के रूप में स्थायी तौर पर रोम में संग्रहित होता है। उसे किसके रूप में जाना जाता है?
■ फर्मवेयर

कौन-सी कमांड संपादन करने की प्रक्रिया है?
■ एक्सक्यूटिंग

वर्ड में, जब आप एक पैराग्राफ इंडेंट करते हैं तब आप मार्जिन के लिए
■ टेक्स्ट को ठीक करते हैं

वर्तमान में सीपीयू द्वारा प्रोसेस किए जा रहे प्रोग्राम और डाटा के भंडारण के लिए कौन सी कंप्यूटर मेमोरी प्रयोग की जाती है?
■ इंटर्नल मेमोरी

एक मौजूदा डाक्यूमेंट को बदलना, किस प्रकार का डाक्यूमेंट कहलाता है?
■ एडिटिंग

कौन से ब्राउजर के द्वारा इंटरनेट रिसॉर्सिज के लोकेशन पर कनेक्ट करने में प्रयोग किया जाता है?
■ यूआरएल

गरम कपड़े बनाने में कच्चे माल से लेकर पोशक बनाने तक कई प्रोफेशनल्स काम को अंजाम देते हैं। यह अपने आपमें एक अलग इंडस्ट्री है, जिसमें रोजगार के असीमित अवसर मौजूद हैं....

निटिंग इंडस्ट्री

आपके लिए अवसरों के ताने-बाने

बुनाई यानी निटिंग इंडस्ट्री के क्षेत्र में स्वरोजगार के लिए कई अवसर इस समय मौजूद हैं। स्वरोजगार के रूप में भी इस क्षेत्र में अच्छी कमाई हो जाती है। आज भले ही मशीनी बुनाई से तैयार हुए पुलओवर और जैकेट आदि का ज्यादा क्रेज है, परंतु पुराने तरीके से सिलाइयों से बुने पारंपरिक डिजाइन के गरम कपड़ों का चार्म आज भी बरकरार है। आजकल इन कपड़ों को अधिक आकर्षक बनाने के लिए पौधों के प्राकृतिक रंगों से बनी डाई का इस्तेमाल किया जाता है- इस तरह से बनने वाली डाई में मिलने वाले रंग सामान्य कैमिकल डाई से नहीं मिल सकते, क्योंकि आजकल रंगों में पारंपरिक रंगों का फैशन बदल गया है।



आसान काम

बहुत आसानी से पैटर्न उपलब्ध है। जिन्हें बहुत अच्छे से डिजाइन नहीं बनाने आते, उनके लिए किट मिलती है,जिसमें दिए निर्देशों को पढ़कर कोई भी मुश्किल से मुश्किल डिजाइन आसानी से तैयार किया जा सकता है और इन हैंड मेड डिजाइनर गरम कपड़ों के लिए ग्राहक भी अच्छी कीमत देने से परहेज नहीं करता। स्वरोजगार के तौर पर यह क्षेत्र बेहतर विकल्प है। इस काम को शुरू करने से पहले कुछ बेसिक जानकारी का होना आवश्यक है, जैसे कि मोटी और चंकी वूल को कैसे इस्तेमाल करें। इस कला में महारत हासिल करने के लिए थोड़ा समय लगता है, पर अनुभव के साथ सब सीख सकते हैं- इस काम में खर्च भी कम आता है, पर मेहनत थोड़ी ज्यादा होती है।

थोड़ी प्लानिंग

इस काम के लिए सबसे पहले आपको यह निश्चित करना है कि आपकी मार्केट क्या है? मतलब आप बच्चों, लेडीज या जेंट्स के लिए कलेक्शन तैयार करेंगे या कुछ और। फिर अच्छे डिजाइन के लिए रिसर्च करें। ऑनलाइन एडवर्टाइजिंग का इस्तेमाल करें, आप अपने डिजाइन का प्रदर्शन करके अपनी कंपनी का प्रचार करके सेल कर सकते हैं, नहीं तो आप घर से बिजनेस करते हुए टेबल सेल भी कर सकते हैं। इसके लिए उच्च शैक्षिक योग्यता बहुत महत्व नहीं रखती। जरूरत है, तो कुछ खास स्किल्स की।

निटिंग मशीनिस्ट

निटिंग मशीनिस्ट साल में 20000 रुपये से अधिक कमाता है। निटिंग मशीनिस्ट के लिए आवश्यक है कि उसके हाथ ठीक से काम करते हों। उसकी दृष्टि व रंगों की पहचान बेहतर हो। वह जटिल मशीन को ऑपरेट करने में सक्षम हो। बहुत तेजी और सीघ्रता से काम कर सकता हो।

मशीनों को ऑपरेट करने के लिए कंप्यूटर का आवश्यक ज्ञान होना जरूरी है। वे दूसरों के साथ दबाव में काम करने में सक्षम हो। स्वास्थ्य एवं सुरक्षा का ज्ञान होना चाहिए, वह सृजनात्मक होना चाहिए और हस्तकला में भी निपुण होना चाहिए।

प्रोडक्शन प्लानर

मैन्युफैक्चरिंग प्रोडक्शन प्लानर का काम उत्पादन की अच्छी क्वालिटी का ध्यान रखना होता है। साथ ही प्रोडक्शन प्लानर इस बात का भी ध्यान रखता है कि कस्टमर को निश्चित तारीख पर ऑर्डर डिलिवरी देने के लिए माल तैयार है या नहीं। प्रोडक्शन प्लानर इस बात का भी ध्यान रखता है। उत्पादन में किस वस्तु और किस मशीन का इस्तेमाल होना है, यह निर्णय प्रोडक्शन प्लानर ही करता है। किसी काम को पूरा करने के लिए कितने वर्कर की जरूरत है, किनको अपाइंट करना है? यह फैसला प्रोडक्शन प्लानर ही करता है। इसका काम ऑफिस बेस्ड ही होता है। इनको हफ्ते में 37 से 40 घंटे काम करना पड़ता है।

प्रोडक्शन मैनेजर

प्रोडक्शन मैनेजर उत्पाद की सही क्वालिटी की जांच करने से लेकर उसकी कीमत का निर्धारण आदि करता है। वे एक तरह से ऑपरेशन मैनेजर होते हैं। उनका काम प्रोडक्शन का शिड्यूल तैयार करना है, उत्पादन प्रक्रिया को मॉनिटर करना, कर्मचारियों को सुपरवाइज करना और अच्छे काम के लिए प्रेरित करना होता है।

टेक्सटाइल डाइंग

टेक्सटाइल डाइंग का काम उपभोक्ता की रंगों की डिमांड को ध्यान में रखते हुए प्रोडक्ट को सही कलर देना होता है। इनको नेचुरल कलर और केमिकल तैयार करने होते हैं। इनका ज्यादा समय लेबोरेट्री में काम करने में जाता है। इसके अलावा ये कंप्यूटर रिकॉर्ड भी तैयार करते हैं।

INITIATIVE

इंटर्नशाला का फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम

भारत में कॉलेज के शिक्षकों को नए कौशल सीखने और उनके कौशल-सेट को अपग्रेड करने में सहायता करने के लिए, इंटर्नशाला ट्रेनिंग्स ने अपने फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम की घोषणा की है। इस पहल के अंतर्गत, इंटर्नशाला भारत भर के कॉलेज फैकल्टी सदस्यों को इन डिमांड उद्योग कौशल में निःशुल्क ट्रेनिंग प्रदान करेगी। पहल का लाभ उठाने के लिए कॉलेज शिक्षक 15 मई 2020 तक अपनी आधिकारिक ईमेल आई.डी. के द्वारा आवेदन कर सकते हैं। कोविड-19 के चलते, भारत में शिक्षा के परिदृश्य ने पारंपरिक क्लासरूम शिक्षा से ऑनलाइन लर्निंग की ओर बढ़ते हुए एक परिवर्तन देखा है। भारत जैसे विकासशील देश में, शिक्षक छात्रों के मन को आकार देकर तथा उन्हें अपने करियर पथ की सही राह दिखा कर, राष्ट्र-निर्माण में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भारत में गतिशील रूप से बदलते शिक्षा परिदृश्य और करियर की संभावनाओं के साथ, छात्रों को इनसे अवगत कराने व उन्हें भविष्य के लिए तैयार करने का उत्तरदायित्व हमारे शिक्षकों के कंधो पर आता है। ऐसी परिस्थिति में, शिक्षकों को निरंतर नए कौशल, उपकरण, और प्रौद्योगिकियों के साथ परिचित होना पड़ता है ताकि वे छात्रों को इनमें शिक्षित कर उन्हें भविष्य की नौकरियों के लिए समर्थ बना सकें। सार्वजनिक, निजी, और दूरस्थ शिक्षा की पेशकश करने वाले सभी सरकारी मान्यता प्राप्त कॉलेज व संस्थानों में पढ़ाने वाले शिक्षक इस पहल से लाभ उठा सकते हैं। इस पहल के आरम्भ में, पहले 1000 उपयुक्त शिक्षकों को निःशुल्क ट्रैनिंग प्रदान की जाएँगी फिर धीरे-धीरे भारत के सभी कॉलेज शिक्षक इसका लाभ उठा सकेंगे। इस पहल का लाभ उठाने के लिए, सभी उपयुक्त कॉलेज शिक्षक, 19 छोटी अवधि की ट्रेनिंग्स में से एक चुन कर सीख सकते हैं। इन ट्रेनिंग्स में अनेक इन-डिमांड स्किल्स जैसे पाइथन प्रोग्रामिंग, वेब डेवलपमेंट, एंड्रॉइड एप डेवलपमेंट, एथिकल हैकिंग, डाटा साइंस, बिज़नेस कम्युनिकेशन, फोटोग्राफी आदि सम्मिलित हैं।

नया कोर्स

बी.वोक (बैचलर ऑफ वोकेशन) करके सुरक्षित करें अपना भविष्य



भूप सिंह,
भारतीय स्किल डेवलपमेंट यूनिवर्सिटी, जयपुर, राजस्थान

आज हम बी.टेक, बी.ए., बी.एस.सी., बी.कॉम. आदि कोर्सेस के बारे में ही जानते है लेकिन सरकार अपने कौशल विकास कार्यक्रम को बढ़ावा देने के साथ-साथ ऐसे कई कोर्सेस की तरफ भी ध्यान दे रही है जिसके अध्ययन करने के साथ-साथ ही विद्यार्थी को इस तरह से शिक्षा दी जाए कि अंतिम परीक्षा परिणाम से पहले ही वह रोजगार प्राप्त करने में सक्षम हो जाएं।

बी. वोक. क्या है?

बी. वोक. यानी बैचलर ऑफ वोकेशन यानी व्यवसाय में स्नातक अन्य साधारण विषयों या साधारण कोर्स में स्नातक की तरह न हो कर पूर्णतः रोजगार युक्त व्यावसायिक स्नातक कोर्स है जो यू.जी.सी. द्वारा अनुमोदित है यह भी एक तीन साल का डिग्री कोर्स है जिसमें क्रेडिट अनुसार कौशल विकास का अध्ययन करवाया जाता है और साथ ही उद्योगों में व्यावहारिक ज्ञान भी प्रदान करवाया जाता है।

कौन-कौन ले सकते हैं प्रवेश?

यह 3 साल का स्नातक कार्यक्रम है इसलिए इसमें यदि आप 12वीं पास हैं या आपने दो साल की आई टी आई की है तो प्रवेश ले सकते हैं। यदि आपके पास तीन वर्शिय डिप्लोमा है तो आप सीधे द्वितीय वर्ष में प्रवेश ले सकते हैं। बी. वोक,कोर्सेज से स्नातक तो हो ही जाती है साथ ही साथ आप को''सीखो व कमाओ और आगे बढ़ो'' के साथ-साथ आपको रोजगार के असीमित अवसर उपलब्ध होंगे।

कैसे अध्ययन होता है?

सम्पूर्ण अध्ययन यू.जी.सी. के मार्गदर्शनानुसार क्रेडिट्स पर आधारित होता है और सबसे बड़ी विशेषता इसके कोर्सेज डिजाईन की है जिसमें आप छः महिने, 12 महिने, दो साल बाद कोर्स को छोडकर भी नौकरी पा सकते हैं या फिर कुछ समय बाद पुनः प्रवेश ले सकते हैं। इसके कोर्सेस नेशनल स्किल्स क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क के डिजाइन के अनुसार होता है। इसका पाठ्यक्रम जहां 60 प्रतिशत व्यवसायिक होता है वहीं 40 प्रतिशत जनरल एजुकेशन होता है जिसमे आपको भारतीय संविधान, नेशनल इण्टीग्रेशन, पर्यावरण, अंग्रेजी, कम्प्यूटर और आई टी, योगा, इतिहास, भूगोल, वाणिज्य, करन्ट अफेयर्स आदि सम्पूर्ण विषयों का अध्ययन भी करवाया जाता है।

क्या कहती है यू.जी.सी. गाईड लाईन?

यू. जी. सी. ने इस सम्बंध में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं जिसमें क्रेडिट्स और कोर्स के लेवल को महत्व दिया गया है। इसके अनुसार कम लागत व कम समय में हाई क्वालिटी शिक्षा प्रदान करना जिसमें कौशल विकास के साथ-साथ नियमित पाठयक्रम जिससे विद्यार्थियों को सीधा रोजगार के क्षेत्र से जोड़ा जा सके या वे उच्च शिक्षा के क्षेत्र में जा सकें। यह रोजगार आधारित कोर्स उन विद्यार्थियों लिए वरदान है जो किसी वजह से कोई अन्य प्रोफेशनल कोर्स जैसे इंजिनीयरिंग आदि महगां कोर्स नहीं कर सकते है। बी. वोक. के बाद आपके सामने प्राइवेट सेक्टर में अनलिमिटेड रोजगार के अवसरो के अलावा भारत की नामी कम्पनीयों में जिसमें पब्लिक सर्विस अंडरटेकिंग भी शामिल हैं रोजगार उपलब्ध है। इसके अलावा आप चाहे तो अपनी स्किल्स के अनुसार स्वयं का रोजगार भी शुरू कर सकते है। आप चाहे तो बी.वोक. के बाद एम.वोक. करके स्किल डेवलपमेंट कालेजो में ट्रेनर भी बन सकते है। इसके अलावा आप एम.वोक. के बाद अपने विषय में पीएचडी करके प्रोफेसर तक की जाब पा कर टीचिंग के शानदार करियर में अपना भविष्य बना सकते हैं।

बी. वोक. के बाद आपके सामने प्राइवेट सेक्टर में अनलिमिटेड रोजगार के अवसरो के अलावा भारत की नामी कम्पनीयों में जिसमें पब्लिक सर्विस अंडरटेकिंग (PSUs) भी शामिल हैं रोजगार उपलब्ध है।इसके अलावा आप चाहे तो अपनी स्किल्स के अनुसार स्वयं का रोजगार भी शुरू कर सकते है...

सीएसओ

कोर क्षेत्र में आई गिरावट

लॉकडाउन के कारण मार्च माह में कम रहा औद्योगिक उत्पादन...



भारत के प्रमुख क्षेत्र अर्थात कोर क्षेत्र में कच्चा तेल, इस्पात, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, सीमेंट, उर्वरक, बिजली और कोयला शामिल हैं। वाणिज्य मंत्रालय द्वारा हाल ही में जारी किये गए आंकड़ों के अनुसार, लॉकडाउन की वजह से मार्च, 2020 में भारत के प्रमुख उद्योगों के उत्पादन में गिरावट आई है।

प्रमुख तथ्य

मार्च के महीने में प्रमुख उद्योगों के उत्पादन में 6.5प्रतिशत की गिरावट हुई है। यह वर्ष 2012 के बाद सबसे अधिक गिरावट दर्ज की गई है।

- देश में परिवहन क्षेत्र के पूरी तरह से रुक जाने के कारण पेट्रोलियम के क्षेत्र में 0.5 प्रतिशत की कमी आई।
- देश में उत्पादन में अपेक्षाकृत कमी होने के कारण बिजली की मांग में 7.2प्रतिशत की कमी देखी गई।
- विनिर्माण क्षेत्र के पूरी तरह रुक जाने से सीमेंट उद्योग में 25प्रतिशत की कमी देखी गई।
- देश में इस्पात का उत्पादन 13प्रतिशत कम हुआ।
- केवल कोयला ही ऐसा प्रमुख क्षेत्र था जिसमें सकारात्मक वृद्धि के आंकड़े देखे गये।

कोर क्षेत्र का महत्त्व

भारत के इन 8 प्रमुख उद्योगों का देश के औद्योगिक उत्पादन के सूचकांक में 40.27प्रतिशत योगदान है। इन उद्योगों के उत्पादन में कमी आने के कारण, देश का आर्थिक उत्पादन काफी कम रहेगा।

औद्योगिक उत्पादन का सूचकांक

केंद्रीय सांख्यिकीय संगठन द्वारा औद्योगिक उत्पादन का सूचकांक (आईआईपी) प्रकाशित किया जाता है। यह विभिन्न औद्योगिक समूहों की वृद्धि दर को दर्शाता है। वर्ष 2011-12 को आधार वर्ष मानकर आईआईपी की गणना की जाती है। आईआईपी संकेतक खनन, बिजली और विनिर्माण जैसे विशाल क्षेत्रों के उत्पादन को मापता है। यह उपयोग आधारित क्षेत्रों जैसेकि अर्थात् पूंजीगत वस्तुओं और मध्यवर्ती वस्तुओं और बुनियादी वस्तुओं से संबंधित क्षेत्रों के उत्पादन को भी मापता है।

केंद्रीय सांख्यिकीय संगठन

भारत में सांख्यिकीय गतिविधियों के समन्वय एवं सांख्यिकीय मानकों के विकास एवं अनुरक्षण हेतु उत्तरदायी संगठन है। इसके संग एक सुव्यवस्थित ग्राफ़िकल इकाई भी सहायक है। इस संगठन का मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है। यह संगठन सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत्त कार्य करता है। केंद्रीय सांख्यिकीय कार्यालय (सीएसओ), राष्ट्रीय सांख्यिकीय संगठन (एनएसओ) के दो स्कंधों में से एक है जो देश में सांख्यिकीय कार्यकलापों का समन्वय करता है तथा सांख्यिकीय मानकों का विकास और उसका अनुरक्षण करता है। इसके कार्यकलापों में राष्ट्रीय लेखा के संकलन, औद्योगिक उत्पादन सूचकांक का संकलन, उद्योगों का वार्षिक सर्वेक्षण और आर्थिक गणना का आयोजन तथा उपभोक्ता मूल्य सूचकांक का संकलन भी शामिल है। यह विभिन्न सामाजिक सांख्यिकी, प्रशिक्षण, अंतरराष्ट्रीय समन्वय, औद्योगिक वर्गीकरण इत्यादि का काम भी देखता है। केंद्रीय सांख्यिकीय कार्यालय का प्रमुख महानिदेशक होता है जिसकी सहायतार्थ 5 अपर महानिदेशक होते हैं जो राष्ट्रीय लेखा प्रभाग, सामाजिक सांख्यिकी प्रभाग, अर्थ-सांख्यिकी प्रभाग, प्रशिक्षण प्रभाग और समन्वय एवं प्रकाशन प्रभाग का कार्य देखते हैं।

WEEKLYDAIRY



29 अप्रैल

हमेशा अस्थिर रहने वाले उत्तर-पूर्व के मध्य अफ्रीकी गणराज्य (सी. ए. आर.) में हुए संघर्ष के दौरान कुल 25 लोग मारे गए हैं तथा 51 लोग घायल हुए हैं। यह सशस्त्र संघर्ष मध्य अफ्रीकी गणराज्य के न्डेले में हुआ और इस संघर्ष के कारण 21 नागरिकों की भी मृत्यु हो गई।



30 अप्रैल

यूएस अर्थव्यवस्था 1930 के दशक के बाद फिर से अत्यंत विनाशकारी संकट में है। कोरोनावायरस के फैलाव के कारण बहुत से नियोक्ताओं को अपने व्यवसाय बंद करने पड़े हैं, जिससे लगभग 30.3 मिलियन लोगों ने बेरोजगारी भत्ते का लाभ पाने के लिए आवेदन किया है।



01 मई

कनाडा के नोवा स्कॉटिया में 18 तथा 19 अप्रैल को एक बंदूकधारी द्वारा 22 लोगों की हत्या करने के 2 सप्ताह बाद, प्रधानमंत्री, जस्टिन ट्रूडो ने कनाडा में हमले को अंजाम देने वाले हथियारों के प्रयोग तथा बिक्री पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाने की घोषणा की।

खेल



भारत की चक्का फेंक (डिस्कस थ्रो) महिला एथलीट संदीप कुमारी पर डोप टेस्ट में फेल होने के कारण चार साल का प्रतिबंध लगा दिया गया है। संदीप कुमारी पर यह प्रतिबंध विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) की एथलेटिक्स इंटीग्रिटी इकाई ने लगाया है।

■ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने 01 मई 2020 को ताजा टेस्ट टीम रैंकिंग जारी कर दी है। भारत ने अपना पहले नंबर का स्थान गंवाकर तीसरा स्थान प्राप्त किया है। भारतीय टीम ने अक्टूबर 2016 के बाद पहली बार टेस्ट रैंकिंग में नंबर-1 का स्थान गंवाया है। अब ऑस्ट्रेलिया पहले स्थान पर है।

नियुक्ति



पाकिस्तान ने पहली बार किसी हिंदू को पाकिस्तानी वायुसेना का पायलट नियुक्त किया है। सिंध प्रांत के युवक राहुल देव को पाकिस्तानी वायुसेना में जनरल ड्यूटी पायलट ऑफिसर बनाया गया है।

■ दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के लिए एनसीईआरटी से एक प्रमाणित काउंसलर पूर्णिमा कत्याल को नियुक्त किया है। वह संस्कार द को एजुकेशनल स्कूल गाजियाबाद में एक काउंसलर के रूप में काम कर रही हैं। पूरा देश इस कोविड-19 महामारी के दौरान दुखी और असंतुष्ट है। इस कठिन समय में लगभग हर कोई असंतुष्ट और हताश प्रतीत होता है। इन सभी कठिनाइयों के बावजूद एनसीईआरटी का यह प्रयास सराहनीय है कि एनसीईआरटी ने सभी छात्रों के साथ.साथ सभी अभिभावकों को मुफ्त परामर्श, मार्गदर्शन, सहायता और सुझाव प्रदान करने के लिए देश भर के विभिन्न क्षेत्रों में कई परामर्शदाताओं की भर्ती की है।

निधन



■ भारतीय फिल्म अभिनेता, निर्माता और निर्देशक ऋषि कपूर का 67 वर्ष की आयु में मुंबई में निधन हो गया। वे लंबे समय से कैंसर से पीड़ित थे। एक बाल कलाकार के रूप में सिनेमा में काम कर चुके ऋषि कपूर को बॉबी फिल्म के लिए 1974 में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के लिए फिल्मफेयर पुरस्कार और साथ ही 2008 में फिल्मफेयर लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार सहित कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। उन्होंने पहली फिल्म 'मेरा नाम जोकर' में बाल कलाकार के रूप में शानदार भूमिका निभाई थी जिसके लिए 1970 में उन्हें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला था। दो दूनी चार में उनके प्रदर्शन के लिए, उन्हें 2011 का सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के लिए फिल्मफेयर क्रिटिक्स पुरस्कार दिया गया और कपूर एण्ड सन्स में अपनी भूमिका के लिए उन्होंने 2017 का सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता के लिए फिल्मफेयर पुरस्कार जीता। वह 1973 से 1981 के बीच 12 फिल्मों में अपनी पत्नी नीतू सिंह (1980 में शादी) के साथ दिखाई दिए।

■ टेलीविजन से शुरुआत करने वाले इरफान खान ने बॉलिवुड और हॉलिवुड में अपने अभिनय की अमिट छाप छोड़ी और 54 वर्ष की अल्पायु में दुनिया को अलविदा कह दिया। इरफान कैंसर से पीड़ित थे। उन्होंने द वारियर, मकबूल, हासिल, द नेमसेक, रोग जैसी फिल्मों में अपने अभिनय का लोहा मनवाया। हासिल फिल्म के लिये उन्हें वर्ष 2004 का फिल्मफेयर सर्वश्रेष्ठ खलनायक पुरस्कार भी प्राप्त हुआ। वे हिन्दी सिनेमा की 30 से ज्यादा फिल्मों में अभिनय कर चुके हैं। इरफान ए माइटी हार्ट, स्लमडॉग मिलियनेयर, लाइफ ऑफ़ पाई और द अमेजिंग स्पाइडर मैन फिल्मों में भी काम कर चुके हैं। 2011 में उन्हें पद्मश्री और 2012 में फिल्म पान सिंह तोमर के लिए श्रेष्ठ अभिनेता पुरस्कार दिया हिंदी मीडियम फिल्म के लिए उन्हें फिल्मफेयर सर्वश्रेष्ठ अभिनेता चुना गया। 2020 में प्रदर्शित अंग्रेजी मीडियम उनकी प्रदर्शित अंतिम फिल्म रही।

ज्ञान की कमान

किसानों को आपूर्ति शृंखला से जोड़ने के लिए वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) द्वारा लांच की गयी मोबाइल एप्लीकेशन का नाम क्या है?
■ किसान सभा

मई 2020 तक, कितने राज्यों को 'एक राष्ट्र, एक राशन कार्ड' योजना के साथ एकीकृत किया गया है?
■ 17

राष्ट्रीय ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस 'भारतमार्केट' भारत के किस संगठन द्वारा शुरू किया गया है?
■ अखिल भारतीय व्यापारी संघ (CAIT)

हाल ही में सुर्ख़ियों में रही 'प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग यूनिट' किस उद्योग से सम्बंधित है?
■ कोयला उद्योग

भारतीय रिजर्व बैंक ने हाल ही में अपनी SLF-MF योजना के तहत लाभ को बढ़ाया है। इस योजना में MF का क्या मतलब है?
■ म्यूचुअल फंड

भारत में कोर उद्योग सूचकांक के लिए उद्योगों के उत्पादन को मापने के दौरान कितने मुख्य क्षेत्रों पर विचार किया जाता है?
■ आठ

WEEKLYDAIRY



02 मई

कज़ाकिस्तान में राष्ट्रपति कासिम-जोमार्ट तोकाएव के एक आदेश से दारिगा नजरबायेव को देश के सीनेट के अध्यक्ष पद से हटा दिया गया है। इसके अलावा, उन्होंने सीनेट में अपनी सीट भी गंवा दी है। उनकी बर्ख़ास्तगी का कोई कारण नहीं बताया गया है।



03 मई

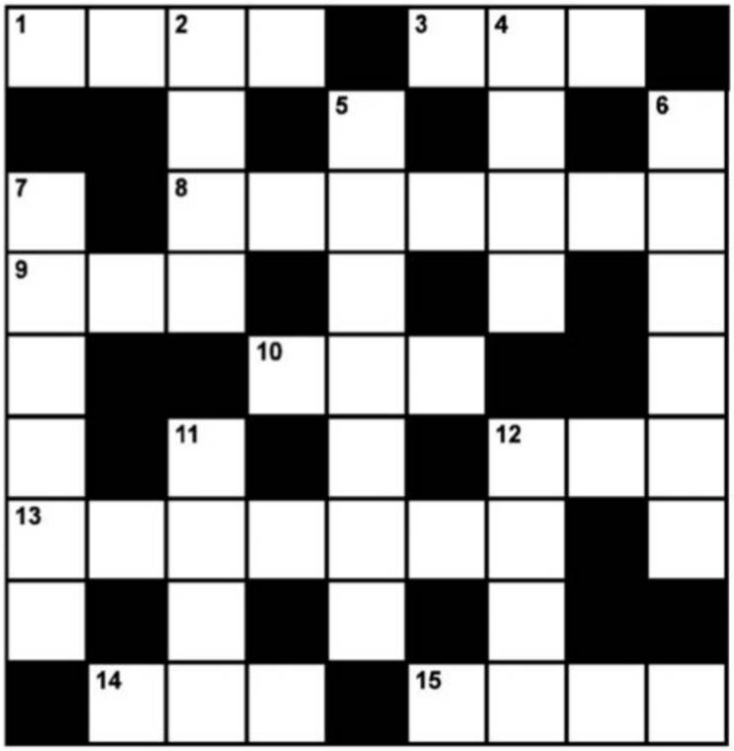
ढाका में भारतीय उच्चायोग ने बांग्लादेश से भारत वापसी की इच्छा रखने वाले भारतीय नागरिकों की पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू की है। नोटिस में कहा गया है कि जब लोगों को भारत लौटने की अनुमति मिलेगी, तो उन्हें घर पर या संस्थागत क्वारंटीन में रहना होगा।



04 मई

भारत ने राष्ट्रीय पोषण अभियान हेतु विश्व बैंक के साथ 200 मिलियन डॉलर के ऋण पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। इसका लक्ष्य 6 वर्ष तक के बच्चों में कुपोषण के स्तर को मौजूदा 38.4% से घटाकर 2022 तक 25% पर लाना है। पहले चरण में सभी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में अभियान को गति दी जाएगी।

अमर ज्ञान वर्ग पहेली-0506



बाएं से दाएं: 9/37

1. आश्विनेय; फाल्गुनानुज; सबसे छोटा पांडव; एक ऋषि; जरासंध का एक पुत्र (4)
3. औषध के रूप में प्रयोग होने वाली एक कड़वी बेल; गुडुच; गुडूची; गुरुच (3)
8. अनेक कीर्तिमान स्थापित करने वाला भारतीय बल्लेबाज व क्रिकेट जगत का लिटिल मास्टर (3,4)
9. कौरवों और पांडवों के काका; धृतराष्ट्र एवं पांडु के भाई; दासीपुत्र (3)
10. पेय जल को शुद्ध करने में उपयोग की जाने वाली गैस; विरंजनचूर्ण या ब्लीचिंग पाउडर (कैल्शियम हाइपोक्लोराइट) से निकलने वाली तीव्र गंध की गैस; सोडियम के साथ नमक में पाया जाने वाला एक अन्य घटक (3)
12. राजा के लिए संबोधन; राजा को संबोधन (3)
13. 2019 में 'द्रोणाचार्य पुरस्कार' से सम्मानित दिल्ली के पूर्व क्रिकेट खिलाड़ी; गौतम गंभीर के कोच (3,4)
14. एशियाड में सबसे पहला स्वर्ण पदक पाने वाला देश; 'महाभारत' ग्रंथ का पूर्व रूप जिसमें 24000 श्लोक थे; सबसे बड़ा प्रजातंत्र (3)
15. शत्रु पर हाथ से फेंका जाने वाला बारूदी गोला (4)

ऊपर से नीचे: 7/35

2. देवता और असुर; सुरासुर (4)
4. आम लोगों में प्रचलित कला; जन कला; स्थानीय कला (2,2)
5. चित्त खिन्न करना; चित्त दु:खी करना (2,2,3)
6. महाभारत में इसे मरुस्थल में 'विनाशन' नामक जगह पर विलुप्त होने का वर्णन आता है; प्लक्षवती नदी (4,2)
7. एशिया व यूरोप के 15 देशों और रूस का बना साम्यवादी संगठन जो अब इतिहास की बात हो चुका है (4,2)
11. गुलाबी नगरी; राजस्थान की राजधानी (4)
12. सड़क जहां 26 जनवरी को राष्ट्रपति परेड की सलामी लेते हैं; इंडिया गेट के पास एक सड़क; बड़ी सड़क; राजमार्ग (4)

– हरीश चन्द्र सन्सी
– प्रस्तुति: विविधा विधा, दिल्ली

ANSWER

अमर ज्ञान वर्ग पहेली 0505

1 ले	न	2 ह	ट	3 न		4 म		5 कु
		रि		6 म	ज	न	शी	ल
7 को	ट	द्वा	र			मी		दी
ह		र		8 ग	णि	त		प
9 रा	ल			णे			10 ग	या
म		11 स्व	दे	श		12 उ		द
म		तं			13 रा	मा	रा	व
14 च	रि	त्र	वा	15 न		कां		
ना		ता		16 भ	ग	त	सिं	ह

रोचक शब्द पहेली को हल करना किसी मनोरंजन से कम नहीं है। तो आप भी कीजिए अपना बुद्धि परीक्षण...

ENGLISH GYAN



Towards Better ENGLISH 34

'During' and 'for'-

'During' is used to say when something happens; *'for'* is used to say how long it lasts.

During - when
For - how long

Compare the following sentences:

- *My father was in Mumbai during the summer.*
- *My father was in Mumbai for three months.*
- *It rained during the night for two hours.*
- *See you for a few minutes during the afternoon.*

Word /phrase of the week:

Reticent- (pronunciation- /ˈretɪsnt/) - Someone who is unwilling to tell people about thoughts or feelings.

- *He is very reticent about his past.*
- *Most of the students were reticent about answering questions.*
- *She is very reticent about her achievements.*

Interesting Fact:

The fastest time to arrange 10 books in alphabetical order: The fastest time to arrange 10 books in alphabetical order (English alphabet) is 17.26 seconds and was achieved by Nanasaheb Mahadeo Solankar in Bramhapuri (Maharashtra) India, on 13 June 2019. *(Guinness World Records)*

डॉ. विनोद कुमार मंगवानी
सह-प्राध्यापक (अंग्रेज़ी), मर्चेंट नेवी संस्थान, पुणे

Editworks School of Mass Communication

Course
1. BSC Electronic Media (Duration: 3 years)
2. PG Diploma in Tv Journalism (Duration: 1 year)
3. MMC Advertising Journalism (Duration: 2 years)
4. Video editing (Duration: 6 Months)
5. Sound Recording & Engring (Duration: 6 Months)
6. News Reading & Anchoring (Duration: 3 Months)
7. Voice Over & Dubbing Training(Duration: 3 Months)

Eligibility of Courses No. 1 is 10+2 and for rest of the courses it is Graduation.
How to Apply: Prospectus and application form can be obtained by sending a Cash/ DD of Rs.500/- in favour of the institute, payable at Delhi. Application form can be downloaded from the website also.
Address: Editworks School of Mass Communications C-56/12, Sector- 62, Noida (Delhi NCR)
Website: www.editworks.co.in
E-mail: info@editworksindia.com
Phone No. 9953007601,7503622001

TGC Animation & Multimedia, Delhi

Course:
1. Advanced Diploma Multimedia & Animation (Duration: 2 Years),
2. Diploma in Multimedia (1 Year)
3. Diploma in Web Design, Development & Internet Mkt. (1 Year)
4. Adv. Diploma in Graphic Design, Visualization & Photography (1 Year)
5. Adv. Diploma in Video Editing (1 Year)
6. Adv. Diploma in Photography (1 Year)
7. Adv. Diploma in Music Production and Sound Engineering (1 Year)
8. Adv. Diploma in Python and Data Sciences (6 months)

Eligibility of Courses: 10+2 in any stream
How to Apply: Prospectus and Application can be obtained on payment of Rs.100 in cash or DDdrawn in favour of the institute, payble at Delhi. Application form can also be downloaded from the website
Website: www.tgcindia.com
Address:TGC Animation & Multimedia, H-85A, South Extension, Part-I, New Delhi-110049, Ph: 9990432666, 18001020418

Hippocrates Institute of Paramedical Science and Research

Course:
1. B.Sc. in Operation theatre (Eligibility: 10+2 Pass).
2. B.Sc. in Xray and Radiology (Eligibility: 10+2 Pass).
3. B.Sc. in Cardiac Technician (Eligibility: 10+2 Pass).
4. B.Sc. in Lab Technician (Eligibility: 10+2 Pass).
5. B.Sc. in Biotechnology (Eligibility: 10+2 Pass).
6. B.Sc. Nursing (10+2 Pass).
7. M.Sc. Biotechnology 2 year course (Eligibility: Graduation)
8. Diploma in Operation Technician (Eligibility: 10th Pass).
9. Diploma in Xray & Radiology (Eligibility: 10th Pass).
10. Diploma in Cardiac Technician (Eligibility: 10th Pass).
11. Diploma in Lab Technician (Eligibility: 10th Pass).
12. GNM & ANM

How to Apply : Prospectus and Application form can be obtained on payment of Rs. 500 in cash or via a DD drawn in favour of the institute, payable at Noida. Application form can be downloaded from website.
Address: Hippocrates Institute of Paramedical Science and Research C-108, Secto-2, Noida.
website.hipsr.in Email: support@hipsr.in
Ph. 0120-4123456, 7838117780, 7835812462

Centre for Fire Safety Management & Training

Affiliated to Board of Technical Education, Delhi (Govt. of NCT of Delhi)
Course:
(I) Six Months Certificate Course in Fire Fighting (Eligibility:10th Pass).
(II) One Year Certificate Course in Fire Technology & Industrial Safety Management (10 +2 Passed).
(III) Trade Diploma in Environment &Health Safety (10 Passed).
How to Apply: Prospectus and Application form can be Obtained on Payment of Rs. 300 in cash or via DD drawn in favour of the institute payable at Delhi application form can also be download from website.
Address: Centre for Fire Safety Management & Training
Khazra No. 298, NH10, Plot No. 975, Metro Pillar No. 506 & 507, Mundka, Delhi - 110041
Website: www.cfsmt.org
Ph. 9560952952

INTERNSHIP ALERT

कुकिंग इंटर्नशिप
कंपनी- द गूसबम्प्स
कहां- लखनऊ
वेतन- 12,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन- https://bit.ly/AU-1870
आवेदन की अंतिम तिथि- 26 मई 2020

ग्राफिक डिजाइन इंटर्नशिप
कंपनी- मयंक एनालिटिक्स
कहां- लखनऊ
वेतन- 2,000-5,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन- https://bit.ly/AU-1871
आवेदन की अंतिम तिथि- 26 मई 2020

एंकरिंग इंटर्नशिप
कंपनी- काम इंडिया प्रोडक्शन
कहां- लखनऊ
वेतन- 2,000-5,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन- https://bit.ly/AU-1872
आवेदन की अंतिम तिथि- 26 मई 2020

कंटेंट राइटिंग इंटर्नशिप
कंपनी- एडॉक्स
कहां- लखनऊ
वेतन- 7,000-12,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन- https://bit.ly/AU-1873
आवेदन की अंतिम तिथि- 26 मई 2020

वेब डेवलपमेंट इंटर्नशिप
कंपनी- न्यूजन
कहां- लखनऊ
वेतन- 5,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन- https://bit.ly/AU-1874
आवेदन की अंतिम तिथि- 26 मई 2020

मोबाइल आप डेवलपमेंट इंटर्नशिप
कंपनी- न्यूजन
कहां- लखनऊ
वेतन- 5,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन- https://bit.ly/AU-1875
आवेदन की अंतिम तिथि- 26 मई 2020

पाइथन डेवलपमेंट इंटर्नशिप
कंपनी- एडुगोरिल्ला
कहां- लखनऊ
वेतन- 10,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन- https://bit.ly/AU-1876
आवेदन की अंतिम तिथि- 26 मई 2020

बिजनेस डेवलपमेंट (सेल्स) इंटर्नशिप
कंपनी- माइलस्टोन पीजेंट्स
कहां- लखनऊ
वेतन- 7,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन- https://bit.ly/AU-1877
आवेदन की अंतिम तिथि- 26 मई 2020



ADMISSION ALERT

दिल्ली पैरामेडिकल एंड मैनेजमेंट इंस्टिट्यूट

कोर्स: डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट प्रोग्राम इन मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी

कोर्स की अवधि: डिप्लोमा (1 वर्ष), सर्टिफिकेट (6 माह)

शैक्षणिक योग्यता: डिप्लोमा (12वीं उत्तीर्ण), सर्टिफिकेट (10वीं उत्तीर्ण)

आवेदन प्रक्रिया: वेबसाइट 'www.dpmiindia.com' से आवेदन पत्र डाउनलोड कर उसे भरें एवं 500 रूपए का डिमांड ड्राफ्ट सलंग्न कर निर्धारित पते पर भेज दे। अथवा संस्था से 500 रूपए की राशी का भुगतान कर प्रॉस्पेक्टस एवं आवेदन पत्र प्राप्त कर सकते हैं।

पता: बी-20, न्यू अशोक नगर, दिल्ली, 110096

टेलीफोन नंबर: +91 - 9540777001/2

आवेदन की अंतिम तिथि: 30 मई, 2020

लक्ष्य भारती इंस्टिट्यूट ऑफ इंटरनेशनल होटल मैनेजमेंट

कोर्स: बीएससी और एमएससी इन होटल मैनेजमेंट

कोर्स की अवधि: 3 वर्ष **शैक्षणिक योग्यता:** 12 वीं, ग्रेजुएशन

आवेदन प्रक्रिया: वेबसाइट 'www.lbiihm.com' से आवेदन पत्र डाउनलोड कर उसे भरें एवं 500 रूपए का डिमांड ड्राफ्ट सलंग्न कर निर्धारित पते पर भेज दे। अथवा संस्था से 500 रूपए की राशी का भुगतान कर प्रॉस्पेक्टस एवं आवेदन पत्र प्राप्त कर सकते हैं।

पता: बी -98, आउटर रिंग रोड, पुष्पांजलि एन्क्लेव, पीतमपुरा, नई दिल्ली, 110034, **टेलीफोन नंबर:** +91 - 9560895483

अवेदन की अंतिम तिथि: 30 मई, 2020

अधिक जानकारी के लिए: www.lbiihm.com

फुलब्राइट-नेहरु डॉक्टरल रिसर्च फैलोशिप 2021-22

विवरण: यूनाइटेड स्टेट्स-इंडिया एजुकेशनल फाउंडेशन (USIEF) ने उन भारतीय शोधार्थियों के लिए 6 से 9 महीने की इस फेलोशिप की घोषणा की है, जो एक भारतीय संस्थान में पीएचडी कार्यक्रम के लिए पंजीकृत हैं। चयनित शोधार्थियों को कई वित्तीय लाभ मिलेंगे।

मानदंड: भारतीय छात्र, जिन्होंने 1 सितंबर, 2019 को या उससे पहले एक भारतीय संस्थान में पीएचडी के लिए पंजीकरण किया है, वे इस फेलोशिप के लिए आवेदन कर सकते हैं।

इनाम/लाभ: चयनित छात्रों को गैर-डिग्री पाठ्यक्रमों का ऑडिट करने, अनुसंधान करने और अमेरिका में उपयुक्त वातावरण में व्यावहारिक कार्य अनुभव प्राप्त करने और यात्रा, वीज़ा, स्वास्थ्य सेवा और दो-तरफ़ा हवाई यात्रा के लिए विमान किराया जैसे लाभ मिलेंगे।

अंतिम तिथि: 15 जुलाई, 2020

आवेदन कैसे करें: इसके लिए ऑनलाइन आवेदन स्वीकार किए जाएंगे।

आवेदन लिंक: www.b4s.in/au/FDR5



SCHOLARSHIP ALERT

नर्सिंग स्कॉलरशिप फॉर गर्ल्स, सासाकावा इंडिया लेप्रोसी फाउंडेशन 2020

विवरण: ससाकावा-इंडिया लेप्रोसी फाउंडेशन (एसआईएलएफ-SILF) ने स्वतः-बसी कुष्ठ कॉलोनियों में निवास करने वाली छात्राओं के लिए इस छात्रवृत्ति की घोषणा की है जो "नर्सिंग स्कॉलरशिप फॉर गर्ल्स 2020" के लिए नर्सिंग की पढ़ाई करने की इच्छुक हैं।

मानदंड: 12वीं में कक्षा उत्तीर्ण (पी सी बी-PCB) भारतीय छात्राएं, जिनकी आयु 17 वर्ष से अधिक है, जो बी एस सी (B.Sc) नर्सिंग (बेसिक) की पढाई करने में रूचि रखती हैं, तथा जिनके माता-पिता कुष्ठ रोग से ग्रसित हैं, और स्वतः- बसी कुष्ठ कॉलोनी में निवास करते हैं, इस छात्रवृत्ति के लिए आवेदन कर सकते हैं !

इनाम/लाभ: चयनित छात्राओं को आई एन आर (INR) 88,000 की अधिकतम वित्तीय सहायता और आई एन आर INR 1,000 का मासिक वेतन प्रदान किया जाएगा।

अंतिम तिथि: 31 मई, 2020

आवेदन कैसे करें: इसके लिए ऑनलाइन आवेदन स्वीकार किए जाएंगे।

आवेदन लिंक: www.b4s.in/au/IFN2

एस ई आर बी(SERB) नेशनल पोस्ट डॉक्टरल फेलोशिप (एन –पीडीएफ) 2020

विवरण: विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), जीओआई(GOI) ने युवा शोधकर्ताओं के लिए इस फेलोशिप की घोषणा की है और साथ ही एसईआरबी उन्हें विज्ञान और इंजीनियरिंग के सीमांत क्षेत्रों में अनुसंधान करने के लिए समर्थन प्रदान करता है।

मानदंड: ऐसे भारतीय नागरिक जिन्होंने किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से पीएचडी(PhD) / एम डी(MD) / एम एस (MS)की डिग्री प्राप्त की हो तथा आवेदन के समय उनकी आयु 35 वर्ष से अधिक न हो, वे इस फेलोशिप के लिए आवेदन कर सकते हैं।

इनाम/लाभ: चयनित शोध विद्यार्थियों को प्रतिवर्ष आई एन आर(INR) 3 लाख का अनुसंधान अनुदान और आई एन आर(INR) 55,000 तक का प्रतिमाह वेतन मिलेगा।

अंतिम तिथि: 13 मई, 2020

आवेदन कैसे करें: इसके लिए ऑनलाइन आवेदन स्वीकार किए जाएंगे।

आवेदन लिंक: www.b4s.in/au/NPD8